

B.A. 1st Year Syllabus of Paper Theory 1

(Minor – 2 Credit)

Part A Introduction			
Program: Certificate		Class` : B.A. 1 st Year	Year: 2025
Session: 2025-26			
Subject: Drawing and Painting			
1	Course Code		
2	Course Title		Indian Terracotta Art (paper1)
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)		Core Course
4	Pre-requisite (if any)		To study this course, a student must be 12 th pass, from any stream.
5	Course Learning outcomes (CLO)		This course will teach the students the glories of Indian culture and thus enhance their pride in their own country. This course will also enhance their intellectual and artistic attitudes. • Introduction to ancient Indian culture. • Knowledge of Art of Indian clay sculpture • Knowledge of Ancient Indian Granthas.
6	Credit Value		Theory 02
7	Total Marks		Max. Marks: 30+70
		Min. Passing Marks:25	
Part B- Content of the Course			

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P: Total No. of Lectures 30 (per class 01 hours)		
Unit	Topics	No. of Lectures
I.	- What is Terracotta Art. - History of Terracotta Art - Ancient Terracotta and it's journey - Harappan Terracotta art, Maurya , Shung, Gupta period Activity –Local Terracotta market review report.	10
II.	Various forms of Terracotta Art in India Terracotta art of different states – West Bengal, Bihar, Gujarat , Madhya Pradesh, Tamilnadu, Haryana, Rajasthan, Himachal Pradesh, Odissa, Jammu and Kashmir. Activity – Create a clay sculpture according ancient time.	10
III.	Main artists of Terracotta – K.G Subramanian, Manjunath Kamath, Kripal Singh Shekhawat, bArti Gupta, Nirmala Patwardhan. As a architecture Terracotta Art , art museum of Terracotta in M.P- Sanchi , Bhopal, Gwalior, Khajuraho. Activity – Make a chart of Terracotta museum and artist also (Local level) Reference – Prehistoric remains.	10
Keywords/Tags: Prehistoric Shung, Terracotta.		
Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1- प्राचीन भारतीय मृण्मूर्ति कला – डॉ जगदीश प्रसाद 2- Terracotta art of Northern India – S.K.Srivastav 3- Art of Terracotta – Arputha Rani Sen Gupta 4- Indian Terracotta Art – O.C.Ganguli 5- Indian Terracotta Sculpture – Pratapaditya Pal Suggestive digital platforms web link: www.heritageuniversityofkerla.com www.terracottagorakhpur.org		
Suggested equivalent online courses: Coursera Swayam		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods: Maximum Marks : 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30marks University Exam (UE) 70 marks		
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30	Class Test Assignment/Presentation /viva etc	10 10 10

External Assessment : University Exam Section: 70 Time : 03.00 Hours	Section(A) : 4 Very Short Questions (50 Words Each) Section (B) : 4 Short Questions (200 Words Each) Section (C) : Two Long Questions (500 Words Each)	04 x 02= 08 004× 08 = 32 02 x 15 = 30. Total 70
Any remarks/ suggestions:		

बी. ए. प्रथम वर्ष सैद्धांतिक 1 (Minor – 2 Credit)

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष	वर्ष:: 2025	सत्र: 2025-26
विषय: चित्रकला			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय टैराकोटा कला (प्रश्न पत्र 1)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोरकोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने कक्षा 12वीं में किया हो। (सभी संकाय के छात्र एवम् छात्राएँ)	
5	पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स	यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन संस्कृति से अवगत करा कर गौरव प्रदान करेगा। इस पाठ्यक्रम से उनका बौद्धिक और कलात्मक विकास होगा।	

	लर्निंग आउटकम) (CLO)	प्राचीन भारतीय संस्कृति का परिचय। • भारतीय मिट्टी की मूर्ति कला का ज्ञान • प्राचीन भारतीय ग्रन्थों का ज्ञान।	
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक – 02	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 25
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: कुल व्याख्यान – 30 (प्रति व्याख्यान 01 घंटा)			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
I.	टेराकोटा कला क्या है। · टेराकोटा कला का इतिहास · प्राचीन टेराकोटा और इसकी यात्रा · हड़प्पा टेराकोटा कला, मौर्य, शुंग, गुप्त काल गतिविधि – स्थानीय टेराकोटा बाजार समीक्षा रिपोर्ट	10	
II.	भारत में टेराकोटा कला के विभिन्न रूप विभिन्न राज्यों की टेराकोटा कला – पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, जम्मू और कश्मीर। गतिविधि – प्राचीन समय के अनुसार मिट्टी की मूर्ति बनाएँ।	10	
III.	टेराकोटा के मुख्य कलाकार - के.जी. सुब्रमण्यम, मंजूनाथ कामथ, कृपाल सिंह शेखावत, आरती गुप्ता, निर्मला पटवर्धन। एक वास्तुकला के रूप में टेराकोटा कला, मध्य प्रदेश में टेराकोटा के कला संग्रहालय - सांची, भोपाल, ग्वालियर, खजुराहो। गतिविधि - टेराकोटा संग्रहालय और कलाकार का चार्ट भी बनाएं (स्थानीय स्तर) संदर्भ - प्रागैतिहासिक अवशेष।	10	
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: प्रागैतिहासिक, शुंग, टेराकोटा।			

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक		
Suggested Readings: 1- प्राचीन भारतीय मृण्मूर्ति कला – डॉ जगदीश प्रसाद 2- Terracotta art of Northern India – S.K.Srivastav 3- Art of Terracotta – Arputha Rani Sen Gupta 4- Indian Terracotta Art – O.C.Ganguli 5- Indian Terracotta Sculpture – Pratapaditya Pal Suggestive digital platforms web link: www.heritageuniversityofkerla.com www.terracottagorakhpur.org		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: Coursera Swayam		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)/viva etc	10 10 10 कुल अंक :30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): 4 अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): 4 लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	04 x 02= 08 4 x 08 = 32 02 x 15 = 30 कुल अंक 70
कोई टिप्पणी/सुझाव:		